भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-373
बुधवार, 06 फरवरी, 2019/17 माघ, 1940 (शक)

देश में सृजित नई नौकरियां

373. श्री इलामारम करीमः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में 2014 से विभिन्न क्षेत्रों में कितनी नई नौकरियां सृजित हुई हैं, तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) देश में 2014 से कितने प्रतिशत शिक्षित युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है;
(ग) क्या सरकार प्रत्येक वर्ष दो करोड़ नई नौकरियां उपलब्ध करवाने में सफल हुई है;
(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) सरकार देश के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के संकट का समाधन करने की किस तरह से योजना बना रही है?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क) से (ङ): श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा रोजगार एवं बेरोजगारी पर आयोजित सर्वेक्षण के उपलब्ध परिणामों के अनुसार नियोजित व्यक्तियों का क्षेत्र-वार वितरण इस प्रकार हैः

(प्रतिशत में)

क्षेत्र	2012-13	2013-14	2015-16
प्राथमिक	50.8	48.3	47.3
द्वितीक	20.8	22.4	21.9
तृतीय	28.4	29.3	31.0

*हो सकता है कि पूर्णांकों के कारण आंकड़े योग से मेल न खाएं।

इसके अतिरिक्त, श्रम ब्यूरो आठ चुनिंदा श्रम-गहन और निर्यातोन्मुख क्षेत्रों, नामतः वस्त्र, चमड़ा, धातु, ऑटोमोबाइल, रत्न एवं आभूषण, परिवहन, आईटी/बीपीओ एवं हथकरघा/पावरलूम में तिमाही त्वरित रोजगार सर्वेक्षण करता रहा है। 2013 से 2015 के दौरान इन 8 क्षेत्रों में रोजगार में हुई वृद्धि अनुबंध-I में दी गई है।

वर्ष 2016 के दौरान तिमाही त्वरित रोजगार सर्वेक्षण के दायरे में और-अधिक संगठित उद्योगों/क्षेत्रों को शामिल करते हुए इसमें सुधार किया गया है। जुलाई, 2016 से अक्तूबर, 2017 के दौरान इन व्यापक संगठित क्षेत्रों में रोजगार में हुए परिवर्तन अनुबंध-II में दिए गए हैं।

श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा रोजगार-बेरोजगारी पर किए गए श्रम बल सर्वेक्षणों के उपलब्ध परिणामों के अनुसार देश में 18-29 वर्षों के आयु समूह हेतु सामान्य प्रमुख स्थिति दृष्टिकोण के आधार पर शैक्षणिक वर्गीकरण द्वारा व्यक्तियों का वितरण नीचे दिया गया है:

शैक्षणिक वर्गीकरण	नियोजित (% में)	
	2015-16	2013-14
प्राथमिक	47.2	56.2
मिडिल/माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक	28.3	40.5
स्नातक एवं इससे ऊपर	34.5	40.4

नियोजनीयता में सुधार करते हुए रोजगार का सृजन करना सरकार की प्राथमिकता रही है। सरकार इस दिशा में पर्याप्त निवेश वाली विभिन्न परियोजनाओं को गति प्रदान करने और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस), पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) तथा दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम) जैसी योजनाओं पर सार्वजनिक व्यय में वृद्धि करने जैसे विभिन्न कार्यक्रम कार्यान्वित कर रही है।

सरकार ने स्व-रोजगार को सुकर बनाने के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) आरंभ की है। पीएमएमवाई के अंतर्गत लघु/सूक्ष्म व्यापरिक उद्यमों तथा व्यक्तियों को अपने व्यापारिक कार्यकलापों को स्थापित करने अथवा विस्तार करने में समर्थ बनाने के लिए 10 लाख रुपए तक का गैर-जमानती ऋण प्रदान किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत 25 जनवरी, 2019 तक कुल 15.59 करोड़ ऋण संस्वीकृत किए गए हैं।

श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने हेतु नियोक्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रधान मंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना (पीएमआरपीवाई) आरंभ की गई है। इस योजना के तहत, सरकार सभी क्षेत्रों के समस्त पात्र नए कर्मचारियों हेतु तीन वर्षों के लिए ईपीएफ एवं ईपीएस के नियोक्ता के संपूर्ण अंशदान (12% अथवा यथा-स्वीकार्य) का भुगतान कर रही है। 28.01.2019 तक, इस योजना के अंतर्गत 1.30 लाख प्रतिष्ठानों के माध्यम से 1.05 करोड़ से अधिक कर्मचारियों को लाभांवित किया गया है।

प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) की फ्लैगशिप योजना है। इस कौशल प्रमाणीकरण योजना का उद्देश्य बड़ी संख्या में भारतीय युवाओं को उद्योग-संगत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने योग्य बनाना है, जो बेहतर आजीविका प्राप्त करने में उनकी सहायता करेगा।

श्रम और रोजगार मंत्रालय प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए देश में रोजगार सेवाओं के रूपांतरण हेतु रोजगार चाहने वालों के लिए और-अधिक रोजगार के अवसर सृजित करने हेतु राष्ट्रीय आजीविका सेवा परियोजना (एनसीएसपी) का कार्यान्वयन कर रहा है।

अनुबंध-I

देश में सृजित नई नौकरियों के संबंध में राज्य सभा के दिनांक 06.02.2019 के अतारांकित प्रश्न संख्या 373 के भाग (क) से (ड़) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

श्रम ब्यूरो द्वारा आयोजित तिमाही त्वरित रोजगार सर्वेक्षणों के अनुसार 8 प्रमुख क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि

(लाख में)

क्र.सं.	उद्योग/समूह	जन.,13 से दिस.,13	जन.,14 से दिस.,14	जन.,15 से दिस.,15	कुल
1	2	3	4	5	6
1	कपड़ा	2.86	1.41	0.72	4.99
2	चमड़ा	0.44	-0.07	-0.08	0.29
3	धातु	-0.35	0.74	0.37	0.76
4	ऑटोमोबाइल	0.16	0.25	-0.08	0.33
5	रत्न एवं आभूषण	0.09	0.11	-0.19	0.01
6	परिवहन	-0.09	-0.11	-0.04	-0.24
7	आईटी / बीपीओ	1.09	1.93	0.76	3.78
8	हथकरघा / पावरलूम	-0.02	-0.05	-0.11	-0.18
कुल (वर्ष वार)		4.18	4.21	1.35	9.74

*स्रोतः श्रम ब्यूरो

अनुबंध-।।

देश में सृजित नई नौकरियों के संबंध में राज्य सभा के दिनांक 06.02.2019 के अतारांकित प्रश्न संख्या 373 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

श्रम ब्यूरो द्वारा आयोजित त्वरित तिमाही रोजगार सर्वेक्षणों के अनुसार आठ क्षेत्रों में रोजगार में क्षेत्र-वार परिवर्तन

(लाख में)

क्र.सं.	क्षेत्र	1 अप्रैल, 2016 को स्तर अनुमान	1 अप्रै. 16 की तुलना में 1 जुला., 16	1 जुला. 16 की तुलना में 1 अक्तू., 16	1 अक्तू. 16 की तुलना में 1 जन. 17	1 जन., 17 की तुलना में 1 अप्रै., 17	1 अप्रै., 17 की तुलना में 1 जुला., 17	1 जुलाई, 17 की तुलना में 1 अक्तूबर, 17
1	विनिर्माण	101.17	-0.12	0.24	0.83	1.02	-0.87	0.89
2	निर्माण	3.67	-0.23	-0.01	-0.01	0.02	0.10	-0.22
3	व्यापार	14.45	0.26	-0.07	0.07	0.29	0.07	0.14
4	परिवहन	5.8	0.17	0.00	0.01	0.03	-0.03	0.20
5	आवास और रेस्तरां	7.74	0.01	-0.08	0.00	0.03	0.05	0.02
6	आईटी/बीपीओ	10.36	-0.16	0.26	0.12	0.13	0.02	0.01
7	शिक्षा	49.98	0.51	-0.02	0.18	0.02	0.99	0.21
8	स्वास्थ्य	12.05	0.33	0.00	0.02	0.31	0.31	0.11
	कुल	205.22	0.77	0.32	1.22	1.85	0.64	1.36

*स्रोतः श्रम ब्यूरो